

B.A. 4th Semester (Honours) Examination, 2022 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : CC 9

Course Title : Modern Sanskrit Literature

Time : 3 hours

Full Marks : 60

The figures in the right hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

क विभागः

1. प्रतिविभागां प्रश्नपञ्चकं श्रुत्वा दशप्रश्नानामुत्तरं सुरगिरा देवनागरीलिप्या प्रदेयम्। 2×10=20
(प्रत्येक विभाग থেকে পাঁচটি করে প্রশ্ন নিয়ে সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরী অক্ষরে মোট দশটি প্রশ্নের উত্তর দাও।)
- (a) “দেশবন্ধুপ্রিয়ম্” ইতি নাটকং কেন कदा कं विषयमाधृत्य प्रणीतम्?
(“देशबन्धुप्रियम्” এই নাটকটি কে कখন कौन विषयके উপजीव्य करे रचना करेन।)
- (b) समकालिकीं समस्यामधिकृत्य सिद्धेश्वरचट्टोपाध्यायस्य कृतिद्वयं लिख्यताम्।
(समकालीन समस्यार आधारे सिद्धेश्वर चट्टोपाध्याय कर्तृक रचित दुटि काव्यकृतिर नाम लेख।)
- (c) “पाण्डुबविक्रमम्” केन विरचितम्? कीदृशम् इदं काव्यम्?
(“पाण्डुबविक्रमम्” के रचना करेन? एटि की जातीय काव्य?)
- (d) “शिवाजिचरितम्” इति नाटकं केन प्रणीतम्? कवेरस्य अन्यं कृतिद्वयं लिख्यताम्।
(“शिवाजिचरितम्” এই নাটকটি কে रचना करेन? এই कबिर अन्य दुटि काव्यकृति लेख।)
- (e) रमाचतुर्धुरिकृतस्य महापुरुषजीवनाश्रयस्य रूपकद्वयस्य नाम उपस्थापनीयम्।
(महापुरुष जीवनाश्रये रमाचतुर्धुरिर रचित रूपकद्वयेर नाम लेख।)
- (f) कस्मिन् रूपकद्वये नित्यानन्दस्मृतितीर्थेन संस्कृतभाषायाः रक्षणे भावः प्रकटीकृतः?
(कौन रूपकदुटिते नित्यानन्दस्मृतितीर्थ संस्कृतभाषा रक्षार जन्य निजेर भाव प्रकाश करेछेन?)
- (g) “स्यमस्तुकोद्धारव्यायोगः” इति रूपकं कः व्यरचयत्? व्यायोगस्यास्य विषयः कः?
(“स्यमस्तुकोद्धारव्यायोग” এই रूपकটি के रचना करेन? এই व्यायोगेर विषयबस्तु की?)

ख विभागः

- (h) “चिपिटकचर्चणम्” इति काव्यस्य नान्दीश्लोके कविः कां देवतां स्तौति? नान्दीयं कीदृशी?
(“चिपिटकचर्चणम्”-एर नान्दीश्लोके कवि कोन देवतार स्तुति करेछेन? एइ नान्दी की जातीय?)
- (i) कपालिनः हस्तनाडीं परीक्ष्य वैद्येन किमुक्तम्?
(कपालीर हस्तनाडी परीक्षा करे वैद्य की बलेछिल?)
- (j) सुवर्णं घटे स्थापयता तान्त्रिकेण कः मन्त्रः पठितः?
(घटे सुवर्ण स्थापन करे तान्त्रिक की मन्त्र पाठ करेछिल?)
- (k) कपाली किमर्थं श्वानमनुससार?
(कपाली की कारणे कुरुरके अनुसरण करेछिल?)
- (l) केन पादुकाचतुष्टयं कुत्र लक्ष्मं?
(पादुका चारटि के कोथाय लाभ करेछिल?)
- (m) सुवर्णस्य त्रिगुणतासम्पादने तान्त्रिकेण का युक्तिः प्रदर्शिता?
(त्रिगुण सुवर्णलाभेर जन्य तान्त्रिक की युक्ति प्रदर्शन करेछिल?)
- (n) “पर्वप्रभाववशतः वसुपर्वतः स्याः”—इत्यत्र कस्य पर्वणः उल्लेखः केन कमुद्दिश्य कृतः?
(“पर्वप्रभाववशतः वसुपर्वतः स्याः”—एखाने कोन पार्वणेर उल्लेख ह्येछे? के कोन उद्देश्ये एटि बलेछेन?)
- (o) पङ्कभवाङ्कशोभिनी का? सा केषु कृपां विधास्यति?
(पङ्कभवाङ्कशोभिनी के? तिनि कादेर कृपा विधान करबेन?)

2. अधोलिखितेषु यथाकामं प्रश्नचतुष्टयम् समाधेयम्। तेषु प्रश्नद्वयं सुरगिरा समाधेयम्। 5×4=20

(निम्नलिखित ये कोनो चारटि प्रश्नेर उतुवर दाओ। तार मध्ये दुटि प्रश्नेर उतुवर संस्कृत भाषाय लेख।)

- (a) नित्यानन्दस्मृतितीर्थविरचिता ऐतिहासिकवृत्तश्रया काचन नाट्यकृतिः पर्यालोचनीया।
(नित्यानन्दस्मृतितीर्थ विरचित एकटि ऐतिहासिक नाटकेर पर्यालोचना कर।)
- (b) ‘माणवकगौरवम्’ इति नाटकं केन प्रणीतम्? नाटकस्यास्य विषयवस्तु आलोच्यताम्।
(‘माणवकगौरवम्’ नाटकटि के रचना करेन? एइ नाटकेर विषयवस्तु आलोचना कर।)
- (c) समकालिकसमस्यामधिकृत्य विरचितरूपकद्वयस्य नामोल्लिख्य एकतरस्य विषयवस्तु प्रतिपाद्यताम्।
(समकालीन समस्यार अबलम्बने रचित दुटि रूपकेर नाम उल्लेख करे एकटि र विषयवस्तु प्रतिपादन कर।)
- (d) “गृहे गृहे भ्रमस्ती त्वं वर्धय स्वामिगौरवम्”—कस्मिन् प्रसङ्गे उक्तिरियं कस्य? तात्पर्यम् विवृणुत।
(“गृहे गृहे भ्रमस्ती त्वं वर्धय स्वामिगौरवम्”—कोन प्रसङ्गे एटि कार उक्ति? एइ उक्तिटि र तात्पर्य विवृणुण कर।)

- (e) অনুবাদো বিধেয়ঃ
(অনুবাদ কর ঃ)
সঙ্কুং চিপিটকং চৈব বিরঞ্চিস্তলয়া দধৎ।
ন নির্ণেতুং ক্ষমোহদ্যাপি কস্মিন্ পক্ষে জয়ো ভবেৎ।
- (f) সপ্রসঙ্গং ব্যাখ্যা বিধেয়া।
(সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা কর।)
অদ্ভুতং দ্রব্যমুদ্ভুতং বনস্পতি-ঘৃতাভিধম্।
ন ঘোষো গৌর্নবা ঘাসো গোরসোহপি ন যুজ্যতে।।

3. নিম্নলিখিতেষু যথানির্দেশং প্রশ্নদ্বয়ং সমাধেয়ম্। 10×2=20

(নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি প্রশ্নের সমাধান কর।)

- (a) আধুনিকসংস্কৃতসাহিত্যবিকাশায় বঙ্গসুরিভিঃ বিরচিতাঃ লঘুকথাঃ আলোচনীয়া।
(আধুনিক সংস্কৃত সাহিত্যের বিকাশে বঙ্গীয় পণ্ডিতবর্গের বিরচিত ছোটগল্পগুলি আলোচনা কর)
- (b) অর্বাচীনসংস্কৃতসাহিত্যে বঙ্গকবিপ্রণীতানাং মনীষিজীবনাশ্রিতানাং কৃতীনামবদানং সুপপাদ্যতাম্।
(অর্বাচীন সংস্কৃত সাহিত্যে মনীষীদের জীবন অবলম্বনে রচিত বঙ্গকবিদের কাব্যকৃতি উপপাদন কর।)
- (c) অধীতং প্রহসনম্ অনুসৃত্য প্রকাশিতং রঙ্গিণ্যাঃ চরিত্রং বর্ণয়ত।
(তোমাদের পাঠ্যান্তর্গত প্রহসন অনুসরণে রঙ্গিনীর চরিত্র অঙ্কন কর।)

(d) নিম্নলিখিতেষু যথানির্দেশং প্রশ্নদ্বয়ং সমাধেয়ম্। 5×2=10

(নিম্নলিখিত দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও)

(i) কপালিমুখনিঃসৃতং জীর্ণচ্ছত্রবৈশিষ্ট্যং লেখ্যম্।

(কপালী বর্ণিত জীর্ণচ্ছত্রের বৈশিষ্ট্য লেখ।)

(ii) পঠিতপ্রহসনানুসারং তাস্মিকোক্তদিশা বিকারগ্রস্তস্য লক্ষণং প্রতিপাদ্যতাম্।

(পঠিত প্রহসনের অনুসরণে তাস্মিক কর্তৃক উক্ত বিকারগ্রস্তের লক্ষণ প্রতিপাদন কর।)